दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2020–21 दिनांक 24.06.2021

प्रकाशनार्थ

आज दिनाँक 24 जून 2021 को दिग्विजयनाथ पी जी कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीटूट लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में ज़ूम एप के माध्यम से आयोजित सप्तदिवासिय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तीसरे दिन **मुख्य वक्ता डॉ सुभाष कुमार यादव,बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय,लखनऊ** ने आज के **विषय "नामुनाकरण प्रतिगमन संचालन अनुसंधान"** पर बोलते हुए कहा कि एक नमूना एक आबादी के भीतर से व्यक्तियों का एक सबसेट है जो पूरी आबादी का प्रतिनिधि है। संपूर्ण जनसंख्या का अध्ययन करना कभी भी संभव नहीं है, इसलिए अध्ययन के लिए लोगों के एक छोटे समूह का चयन किया जाता है। शोधकर्ता को यह तय करना होगा कि जनसंख्या या ब्रह्मांड का गठन क्या है उसे नमूने का आकार भी तय करना होगा।नमूना आकार हाथ में समस्या, बजट और समय की कमी जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। नमूनाकरण बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए क्योंकि नमूने में त्रुटि पूरे अध्ययन के परिणामों को विकृत कर सकती है। जब एक बड़े नमूने का अध्ययन किया जाना है, तो नमूना त्रुटि की संभावना अधिक होती है।

डॉ यादव ने आगे बोलते हुए कहा कि प्राथमिक विपणन अनुसंधान डेटा को कई तरीकों से एकत्र किया जा सकता है, सबसे आम सर्वेक्षण, व्यक्तिगत साक्षात्कार, अवलोकन और प्रयोगशाला प्रयोगों। डेटा संग्रह में त्रुटियों को कम करने के लिए डेटा एकत्र करने वाले कर्मचारियों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।एकत्र किए गए डेटा को सत्यापित, संपादित और कोडित किया जाना है। किसी भी गलतियों के लिए प्रत्येक प्रश्नावली या अवलोकन प्रपत्र का निरीक्षण किया जाता है और प्रश्नावली में प्रत्येक प्रश्न के प्रत्येक उत्तर का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोड निर्धारित किए जाते हैं।फिर डेटा को कंप्यूटर में सॉर्ट, ट्रांसकोड और फीड किया जाता है। इसके बाद, सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया जाता है, विशेष रूप से अनुसंधान उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है। विश्लेषण से उत्पन्न जानकारी का उपयोग उपभोक्ता व्यवहार या वरीयताओं के बारे में सामान्य निष्कर्ष निकालने के लिए किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर आर.के शुक्ला एवं श्रीमती स्वेता सिंह एवं संचालन डॉ एस. के सिंह एवं डॉ धर्मेन्द्र यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ परीक्षित सिंह ने सभी अतिथियों सहित प्रतिभागियों के प्रति आभार ज्ञापन किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में कार्यक्रम के संरक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह,महाविद्यालय के शिक्षक सहित 236 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

डॉ शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसंपर्क